समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 02 September 2026

सर्वसामान्य लोगों के विदेश घूमने के सपने को साकार करने वाले 'अवलिया' : किसान परिवार से निकले संतोष शिंदे की संघर्ष से SVS Travel खड़ी करने तक की प्रेरणादायक कहानी

Sanket Morankar

Published on 01 Sep 2026

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का प्रसिद्ध विचार है— "**सपने वो नहीं जो आप नींद मे देखते है, सपने वो है जो आपको सोने नहीं देते।**" इसी विचार को अपने जीवन का आधार बनाकर एक सामान्य किसान परिवार से निकलकर अपने सपनों को साकार करने वाले युवा उद्यमी हैं **संतोष शिंदे**।

महाबलेश्वर तालुका के छोटे से गांव **माचूतर** में किसान परिवार में जन्मे संतोष शिंदे का जीवन संघर्षों से भरा रहा। आर्थिक कठिनाइयों, शिक्षा में आए व्यवधान, खेती में हुए भारी नुकसान और नौकरी से असंतुष्टि के बावजूद उन्होंने कभी अपने सपनों को मरने नहीं दिया। आज उन्होंने **SVS Travel** के माध्यम से आम लोगों के लिए किफायती दरों पर देश-विदेश घूमने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में अपनी अलग पहचान बनाई है।

माचूतर गांव से शुरू हुआ सपनों का सफर

संतोष शिंदे का बचपन बेहद सामान्य परिस्थितियों में बीता। परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी और बचपन से ही उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

स्कूली जीवन से ही उन्हें खेती में रुचि थी। नौवीं और दसवीं कक्षा में पढ़ाई करते हुए उन्होंने स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू की और परिवार की आर्थिक मदद करने का प्रयास किया।

खेती के प्रति उनकी लगन और कुशलता देखकर उनके पिता ने उन्हें पढ़ाई छोड़कर पूरी तरह खेती करने की सलाह दी। परिवार का गुजारा खेती पर निर्भर होने के कारण संतोष को एक वर्ष के लिए पढ़ाई रोकनी पड़ी।

लेकिन उनके मन में शिक्षा पूरी करने की इच्छा लगातार बनी रही।

खेती के साथ शिक्षा पूरी करने का लिया संकल्प

संतोष शिंदे ने परिस्थितियों के आगे हार नहीं मानी। उन्होंने ठान लिया कि **अगर वे खुद कमाई कर सकते है, तो खेती करते हुए अपनी पढ़ाई भी पूरी कर सकते है।**

इसके बाद उन्होंने बारहवीं की परीक्षा बाहरी विद्यार्थी के रूप में दी और अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। इसी दौरान उन्हें उम्मीद थी कि स्ट्रॉबेरी की खेती से अच्छी आमदनी होगी।

लेकिन अचानक एक रात रानगवों ने उनकी पूरी फसल बर्बाद कर दी। इस घटना से परिवार को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ।

यही घटना संतोष शिंदे के जीवन का एक महत्वपूर्ण **टर्निंग पॉइंट** साबित हुई।

खेती छोड़कर पुणे की ओर बढ़ाया कदम

खेती में हुए भारी नुकसान के बाद संतोष ने खेती छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने पुणे में रह रहे अपने बड़े भाई के पास जाकर आगे की पढ़ाई करने का फैसला किया और **पिंपरी-चिंचवड़** पहुंच गए।

एक छोटे और दुर्गम गांव से पहली बार पुणे जैसे बड़े शहर में पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। वहां न ज्यादा पहचान थी और न ही भविष्य की कोई स्पष्ट दिशा।

लेकिन एक बात तय थी—**उच्च शिक्षा हासिल करनी है और जीवन मे अपना कुछ बनाना है।**

पुणे में पढ़ाई के साथ उन्होंने नौकरी शुरू की। कुछ समय एक कंपनी में काम करने के बाद उन्होंने **टाटा कंपनी मे करीब डेढ़ वर्ष** तक काम किया।

हालांकि नौकरी में उनका मन नहीं लगा।

'अपना कुछ करना है' से शुरू हुई नई राह

नौकरी के दौरान उनके मन में लगातार अपना व्यवसाय शुरू करने का विचार चलता रहा। लेकिन सबसे बड़ी समस्या थी—व्यवसाय के लिए पूंजी कहां से आए?

ऐसे समय में उनकी बहन का साइबर कैफे था। संतोष ने बहन और जीजा से साइबर कैफे चलाने की इच्छा जताई। उनकी अनुमति मिलने के बाद उन्होंने **2012 से 2014 तक साइबर कैफे** चलाया।

इसी दौरान उन्होंने कुछ नया करने के बारे में सोचना शुरू किया।

उन्होंने अध्ययन करके **रेलवे टिकट बुकिंग, हॉलिडे पैकेज और एयर टिकट बुकिंग** का काम सीखा। यहीं से उनके ट्रैवल व्यवसाय की नींव पड़ी और आगे चलकर **SVS Travel** की स्थापना हुई।

रेलवे टिकट से इंटरनेशनल टूर पैकेज तक

शुरुआत में SVS Travel के माध्यम से रेलवे टिकट और घरेलू पर्यटन पैकेज शुरू किए गए।

व्यवसाय के शुरुआती दौर में कई तरह की चुनौतियां सामने आईं। लेकिन संतोष शिंदे ने प्रत्येक परेशानी को सीखने का अवसर माना।

उन्होंने शुरुआत से ही एक सिद्धांत तय कर लिया था—**किसी को धोखा देकर या गलत तरीके से व्यवसाय को आगे नहीं बढ़ाना है।**

ईमानदारी, निरंतर मेहनत और ग्राहक का विश्वास उनके व्यवसाय की नींव बन गया।

पर्यटन के प्रति रुचि ने बनाया ट्रैवल उद्यमी

संतोष को शुरू से ही नए-नए पर्यटन स्थलों को देखने और उनके बारे में जानने की रुचि थी। यही रुचि आगे चलकर उनके व्यवसाय का आधार बनी।

उनके लिए ट्रैवल व्यवसाय केवल कमाई का माध्यम नहीं रहा, बल्कि उनकी रुचि और व्यवसाय का सुंदर मेल बन गया।

उनका मानना है कि ट्रैवल क्षेत्र में केवल पूंजी होना पर्याप्त नहीं है। देश-विदेश की घटनाओं, पर्यटन स्थलों, नए ट्रैवल ट्रेंड्स और ग्राहकों की जरूरतों की जानकारी रखना भी बेहद जरूरी है।

इसीलिए इस क्षेत्र का अध्ययन आज भी लगातार जारी है।

आम लोगों के लिए किफायती विदेश यात्रा का प्रयास

SVS Travel ने धीरे-धीरे घरेलू पर्यटन की बजाय **इंटरनेशनल टूर पैकेज** पर अधिक ध्यान केंद्रित किया।

सोशल मीडिया के माध्यम से विदेशों के पर्यटन स्थलों और उपलब्ध पैकेजों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाने लगी।

आज SVS Travel का प्रयास है कि आम और मध्यमवर्गीय परिवार भी अपने बजट के अनुसार विदेश यात्रा का सपना पूरा कर सकें।

संतोष शिंदे का मानना है कि "**एक संतुष्ट ग्राहक दस नए ग्राहकों को जोड़ सकता है।**"

इसी सोच के चलते उन्होंने ग्राहक सेवा और विश्वास को व्यवसाय की प्राथमिकता बनाया।

26 वर्ष की उम्र में पुणे में अपना घर

छोटे से गांव से पुणे आए संतोष शिंदे ने महज **26 वर्ष की उम्र मे पुंणे जैसे बड़े शहर मे अंपना खुद का घर लेने का सपना पूरा किया।**

उनकी इस उपलब्धि से परिवार को भी अपने बेटे पर गर्व हुआ।

यह उपलब्धि उनके लिए सिर्फ आर्थिक सफलता नहीं थी, बल्कि संघर्ष से अपनी पहचान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव था।

2024 में अपना कार्यालय खोलने का सपना भी हुआ पूरा

अपना घर लेने के बाद संतोष शिंदे का अगला सपना था कि उनका अपना स्वतंत्र कार्यालय हो।

यह सपना भी **2024 मे पूंरा हुआ।**

वर्तमान में **रावेत, पिंपरी-चिंचवड़** में SVS Travel का अपना कार्यालय है।

एक छोटे गांव से शुरू हुआ सफर अब अपने स्वयं के व्यावसायिक कार्यालय तक पहुंच चुका है।

कोरोना संकट में भी नहीं छोड़ी हिम्मत

कोरोना महामारी ने पर्यटन और ट्रैवल उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया। इस दौरान SVS Travel का व्यवसाय भी पूरी तरह ठप हो गया था।

लेकिन संतोष और उनके परिवार ने इस मुश्किल समय में हिम्मत नहीं छोड़ी।

इस पूरे सफर में उनकी पत्नी **पूनम** का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने व्यवसाय में संतोष का साथ दिया और कठिन परिस्थितियों में मजबूती से उनके साथ खड़ी रहीं।

परिवार का सहयोग और पत्नी का विश्वास संतोष के लिए लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा बना।

आज कई देशों की यात्रा, उद्देश्य दूसरों के सपनों को पूरा करना

आज संतोष शिंदे व्यवसाय के सिलसिले में कई देशों की यात्रा कर चुके हैं और लगातार विदेशों की यात्रा कर रहे हैं।

जिस आकाश में उड़ते विमानों को वे कभी माचूतर गांव से आश्चर्य और उत्सुकता के साथ देखा करते थे, आज उसी आकाश के नीचे वे दुनिया के अलग-अलग देशों तक पहुंच रहे हैं।

लेकिन उनके लिए इस सफर की सबसे बड़ी खुशी सिर्फ खुद यात्रा करना नहीं है, बल्कि **आम लोगों को विदेश यात्रा का अनुभव दिलाना** है।

SVS Travel के माध्यम से लोगों के बजट के अनुसार यात्रा पैकेज तैयार कर उनके विदेश घूमने के सपने को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्राहक की खुशी ही असली सफलता

संतोष शिंदे के लिए व्यवसाय की सफलता केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है।

विदेश यात्रा से लौटने के बाद ग्राहकों से मिलने वाली सकारात्मक प्रतिक्रिया और उनके चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी ही उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।

एक समय आर्थिक परिस्थितियों से जूझ रहे किसान परिवार के बेटे ने आज अपना ट्रैवल व्यवसाय खड़ा किया है और अब वह दूसरे लोगों के सपनों को पंख देने का काम कर रहा है।

माचूतर के छोटे से गांव के किसान परिवार से शुरू हुआ संतोष शिंदे का सफर आज पुणे मे ŚVS Travel के सफल व्यवसाय तक पहुंच चुका है।

खेती में हुए नुकसान से लेकर पुणे में संघर्ष, नौकरी का अनुभव, साइबर कैफे से व्यवसाय की शुरुआत और फिर ट्रैवल इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने तक का हर पड़ाव उनके व्यक्तित्व और सोच को मजबूत करता गया।

आज **SVS Travel** के माध्यम से आम लोगों को उनके बजट के अनुसार देश-विदेश की यात्रा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

कभी माचूतर गांव से आसमान मे उंड़ते विमानों को देखकर सपने देखने वाला एक साधारण किसान परिवार का युवक आज उसी आसमान के रास्ते दुनिया घूम रहा है और साथ ही हजारों लोगों के विदेश यात्रा के सपनों को भी उड़ान देने का प्रयास कर रहा है।

“अपने सपनों को पूरा करने के साथ दूसरों के सपनों को पूरा करने का माध्यम बनना—यही संतोष शिंदे की सफलता की सबसे बड़ी पहचान है।”

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.